



श्री गणेश जी का पाठ (दैनिक पाठ / स्तुति)

जो भक्त श्रद्धा से इस स्तुति का पाठ करता है उसे बुद्धि, सफलता, धन, सुख मिलते
है और उसके विघ्नों का नाश होता है।

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री गणेश जी का पाठ (दैनिक पाठ / स्तुति) ॥

शुक्लाम्बरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजम् ।
प्रसन्नवदनं ध्यायेत् सर्वविघ्नोपशान्तये ॥

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

गजाननं भूतगणादि सेवितं
कपित्थ जम्बूफलचारुभक्षणम् ।
उमासुतं शोकविनाशकारणं
नमामि विघ्नेश्वर पादपङ्कजम् ॥

एकदन्तं महाकायं तप्तकाञ्चनसन्निभम् ।
लम्बोदरं विशालाक्षं वन्देऽहं गणनायकम् ॥

मूषकवाहन मोदकहस्त ।
चामरकर्ण विलम्बितसूत्र ।
वामनरूप महेश्वरपुत्र ।
विघ्नविनायक पाद नमस्ते ॥

ॐ गं गणपतये नमः ॥ (11, 21, or 108 times)

पाठ करने का समय:

सुबह स्नान के बाद
किसी नए कार्य से पहले
बुधवार या चतुर्थी के दिन विशेष फलदायी